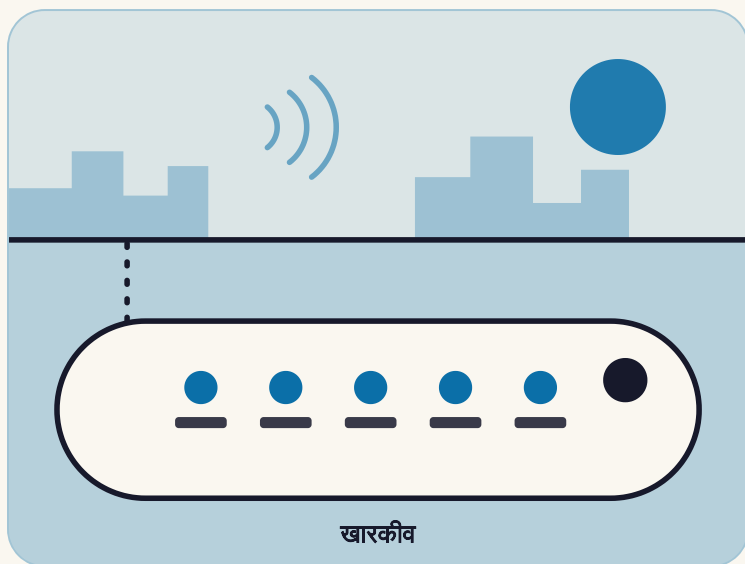




यूक्रेन

खारकीव के ज़मीन के नीचे बने स्कूल

जब मिसाइलों से बचकर भागने का समय ही नहीं बचा, तो एक शहर अपनी कक्षाएँ मेट्रो में ले गया। बच्चे लौट आए।

कहाँ खारकीव

कौन खारकीव के बच्चे, शिक्षक और माता-पिता, और वह शहर जिसने स्कूल को ज़मीन के नीचे पहुँचाया

कब 2022 से 2026

4 मिनट में पढ़ें

कहानी

जब 2022 में रूस ने यूक्रेन पर हमला किया, तब खारकीव की एल्मिरा देर्गूसोवा नाम की बच्ची पाँच साल की होने वाली थी। उसने अपने जन्मदिन के केक की मोमबत्तियाँ बुझाई, और फिर उसकी माँ उसे जल्दी से तहखाने में ले गई। बाहर गोले गिरने लगे थे।

खारकीव रूस की सीमा के पास है। मेयर ने CNN को बताया कि मिसाइल 40 सेकंड से भी कम में पहुँच सकती है, इसलिए हवाई हमले के सायरन से मुश्किल से कोई मदद मिलती है। स्कूल बहुत खतरनाक हो गए, और पढ़ाई ऑनलाइन चली गई।

नीचे, मेट्रो में

मेयर इहोर तेरेखोव का विचार अलग था: बच्चों को ज़मीन के नीचे पढ़ाया जाए। शहर ने मेट्रो स्टेशनों में कक्षाएँ बनाई, आवाज़ रोकने का इंतज़ाम किया, ताज़ी हवा, एक नर्स और मनोवैज्ञानिकों की व्यवस्था की।

पढ़ाई 4 सितंबर 2023 को शुरू हुई, अपनी मर्जी से आने वालों के लिए। करीब 1,000 बच्चों ने नाम लिखवाया। पहले दिन पहली कक्षा की नास्त्या नाम की बच्ची ने “बोलने वाला ऊन का गोला” पकड़ा और कहा, “मेरा नाम नास्त्या है। मुझे चॉकलेट पसंद है।” पूरी कक्षा ने तालियाँ बजाईं।

बच्चों की ऊर्जा महसूस करना अच्छा लगता है।

हान्ना नेयेलोवा, पहली कक्षा की शिक्षिका, The Washington Post से, 2023

~1,000

पहले दिन बच्चे, 2023

~17,000

ज़मीन के नीचे के स्कूलों में,
2025

10

ज़मीन के नीचे के स्कूल,
2026

इससे उन्हें क्या मिला

माता-पिता एक ही बात कहते थे: यह ऑनलाइन से बेहतर है। नादिया कोज़िरेवा अपनी जुड़वाँ बेटियों के साथ कुपियांस्क छोड़कर आई थीं। सफ़ाईकर्मी की तनख्वाह में ऑनलाइन पढ़ाई का सामान खरीदना उनके लिए मुश्किल था।

शिक्षिका ओलेना रुदाकोवा ने कहा कि उनके विद्यार्थी युद्ध से बड़ों जैसे दिखते हुए लौटे। उन्होंने CNN से कहा, “वे बड़े हो गए हैं।” फिर भी यह वह स्कूल नहीं है जो वे चाहते हैं: वे शांति और अपना पुराना स्कूल माँगते हैं।

साल-दर-साल बढ़ता हुआ

फ़रवरी 2024 तक करीब 2,200 बच्चे पाँच मेट्रो जगहों पर पढ़ रहे थे, और शहर ने बंकर जैसे स्कूल बनाने शुरू कर दिए थे। सितंबर 2025 तक रॉयटर्स के मुताबिक करीब 17,000 बच्चे ज़मीन के नीचे के स्कूलों में पढ़ रहे थे।

इस सितंबर ग्वारा मीडिया ने ऐसे दस स्कूल गिने। एक स्वागत समारोह शुरू ही हुआ था कि सायरन बजा, और शिक्षक इंतज़ार कर रहे परिवारों को स्कूल के अंदर नीचे ले गए, जब तक खतरा टल नहीं गया। पुरानी परंपरा भी बची रही, जिसमें स्कूल पास करने वाले विद्यार्थी पहली कक्षा के बच्चों को अंदर ले जाते हैं, जिनकी वर्दी पर छोटी-छोटी घंटियाँ लगी होती हैं।

छह साल की मारिया से पूछा गया कि यह किंडरगार्टन से कैसा है। उसने बताया कि वह युद्ध की वजह से कभी किंडरगार्टन गई ही नहीं। उसका पहला स्कूल ज़मीन के नीचे है।

कब क्या हुआ

- **2022** रूस का हमला। खारकीव की पढ़ाई ऑनलाइन हो जाती है।
- **2023** 4 सितंबर को मेट्रो में कक्षाएँ खुलती हैं।
- **2024** पाँच मेट्रो जगहों पर करीब 2,200 बच्चे।
- **2025** ज़मीन के नीचे के स्कूलों में करीब 17,000 बच्चे।
- **2026** ज़मीन के नीचे दस स्कूल खुले हैं।

यह कहानी खास क्यों है

युद्ध की ज़्यादातर कहानियाँ मोर्चे पर होती हैं। यह कहानी स्कूल के गेट पर, एक बस में, और उन के एक गोले के आसपास होती है। यह उन बड़ों की कहानी है जिन्होंने एक पूरी पीढ़ी को अपनी कक्षाएँ खोने नहीं दीं।

यह कोई पूरा हल नहीं है। जगहें सीमित हैं, और एक स्कूल ने ग्वारा मीडिया को बताया कि कमरों की कमी से वह पहली कक्षा में और बच्चे नहीं ले सकता। स्कूल आना अपनी मर्जी पर निर्भर है, और बच्चे अब भी कहते हैं कि उन्हें अपना पुराना स्कूल चाहिए।

हमारी राय

शहर ने स्कूल दोबारा शुरू करने के लिए शांति का इंतज़ार नहीं किया। उसने युद्ध के बीच ही स्कूल बना दिया, और परिवारों ने हर साल इसे फिर चुना, जबकि सायरन अब भी बजते रहे।

हम क्या सीख सकते हैं

1 काम की जगह बदलें, लक्ष्य नहीं

खारकीव आसमान को सुरक्षित नहीं बना सकता था, इसलिए उसने पढ़ाई को ज़मीन के नीचे ले जाया।

यह आजमाएँ: कोई एक लक्ष्य चुनें जो ऐसे जोखिम से रुका है जिसे आप हटा नहीं सकते, और लिखें कि जोखिम को काबू में रखते हुए आगे कैसे बढ़ें।

2

अपनी मर्जी से और छोटे से शुरू करें

सितंबर 2023 में करीब 1,000 बच्चों से शुरुआत हुई, और फ़रवरी तक CNN ने करीब 2,200 गिने।

यह आज़माएँ: इस हफ़्ते किसी एक विचार को दस इच्छुक लोगों के साथ आज़माएँ, फिर उसे बढ़ाएँ।

3

पूरे इंसान का ख़याल रखें

पहले दिन से ही मनोवैज्ञानिक और नर्स शिक्षकों के साथ थीं।

यह आज़माएँ: अपनी अगली आमने-सामने की बातचीत में पूछें: अभी आपके लिए क्या मुश्किल है?

4

छोटी रस्मों को बचाकर रखें

बोलने वाला ऊन का गोला, कढ़ाई वाली कमीज़ें और पहले दिन की घंटियाँ, सब बचे रहे।

यह आज़माएँ: कोई एक आदत बनाए रखें, जैसे हफ़्ते का एक साथ खाना या टीम की बैठक, मुश्किल महीने में भी।

5

पूछें कि लोगों को सच में किसकी कमी खलती है

माता-पिता ने कहा कि ऑनलाइन स्कूल दूसरे बच्चों के साथ होने की जगह नहीं ले सकता।

यह आज़माएँ: कुछ ठीक करने से पहले तीन लोगों से पूछें कि उन्हें सबसे ज़्यादा किसकी कमी खलती है।

साथ ले जाने वाली एक बात

जब आप दुनिया को सुरक्षित नहीं बना सकते, तो एक कमरा ऐसा बनाइए जो सुरक्षित हो।

स्रोत (अंग्रेज़ी में)

The Washington Post (via Stars and Stripes)

[Kharkiv's subways are now classrooms as school starts under Russian attacks](#)

CNN (via KTVZ)

['We won't hear the bangs': Ukrainian city moves schools into metro stations](#)

Reuters (via GMA News)

[Ukrainian children open school year by heading underground](#)

Gwara Media

[Kharkiv children go back to schools underground, behind armored doors](#)

तथ्य-जाँच नोट: आँकड़े स्रोत, तारीख और परिभाषा के हिसाब से अलग हैं। पहले दिन करीब 1,000 बच्चों का आँकड़ा मेयर का है (Washington Post; Rubryka)। CNN ने फ़रवरी 2024 में पाँच मेट्रो जगहों पर करीब 2,200 बच्चे गिने। रॉयटर्स कहता है कि सितंबर 2025 में करीब 17,000 बच्चे ज़मीन के नीचे के स्कूलों में जाते हैं; यह सभी ज़मीन के नीचे के स्कूलों का है, सिर्फ़ मेट्रो का नहीं, और इसकी स्वतंत्र जाँच नहीं हुई है। ग्वारा मीडिया की दस ज़मीन के नीचे के स्कूलों की गिनती (सितंबर 2026) एक स्थानीय मीडिया से है। मेट्रो की कक्षाओं की संख्या 60 (Rubryka, 2023) और 19 (CNN, 2024) बताई गई है, इसलिए उसे छोड़ दिया गया है। मिसाइल के 40 सेकंड से कम में पहुँचने की बात मेयर ने CNN से कही थी। रॉयटर्स और Washington Post की खबरें दूसरी जगह छपी प्रतियों से पढ़ी गईं। 4 सितंबर 2023 की शुरुआत की तारीख Washington Post और Rubryka से है। “हमारी राय” वाली पंक्तियाँ हमारी अपनी व्याख्या हैं। बाकी सब ऊपर दिए स्रोतों से है।